

# डॉ. रॉबर्ट यारब्रॉ, पास्टोरल एपिस्टल्स, सत्र 13, टाइटस 2

© 2024 रॉबर्ट यारब्रॉ और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट यारब्रॉ और देहाती पत्रों पर उनकी शिक्षा, देहाती नेताओं और उनके अनुयायियों के लिए प्रेरितिक निर्देश है। यह सत्र 13, टाइटस 2 है।

हम टाइटस का अपना अध्ययन जारी रखते हैं, और हम अध्याय 1 के मध्य में हैं, और हम इस व्याख्यान में अध्याय 2 के अंत तक पहुँचने का प्रयास करने जा रहे हैं। जब हम टाइटस अध्याय 1 में अपने स्थान को देखते हैं, तो हम देखते हैं कि हम उस शीर्षक पर हैं जो कहता है, जो लोग अच्छा करने में असफल होते हैं उन्हें डांटते हैं।

मैंने पहले ही देखा है कि टाइटस के लिए एनआईवी शीर्षकों में अच्छा और अच्छा करना शब्द प्रमुख हैं, और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे हम देखेंगे कि ऐसा क्यों है। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूँ कि जैसे अध्याय और पद्य विभाजन टाइटस के मूल ग्रीक पाठ का हिस्सा नहीं हैं, शीर्षक, मेरा मतलब है, वे ठीक हैं, लेकिन समस्या सिर्फ यह नहीं है कि लोग अच्छा करने में असफल हो रहे थे . समस्या का संबंध सुसमाचार के दोषपूर्ण विनियोजन से था।

ऐसा नहीं है कि, ठीक है, यदि आप लोगों से अच्छा करने के लिए प्रेरित कर सकें, तो सब कुछ अच्छा हो जाएगा, क्योंकि यह मानवीय अच्छाई के बारे में नहीं है। यह ईश्वर के बारे में है और मसीह में विश्वास के माध्यम से ईश्वर की कृपा के विनियोग के बारे में है। लेकिन हम देखेंगे कि एनआईवी यहां उन लोगों को डांटते हुए क्यों कहता है जो इस खंड में अच्छा करने में विफल रहते हैं।

पिछले छंदों में, पॉल इस बारे में बात कर रहा है कि आपको ऐसे नेताओं को कैसे नियुक्त करने की आवश्यकता है जो सही सिद्धांत द्वारा दूसरों को प्रोत्साहित कर सकें और इसका विरोध करने वालों का खंडन कर सकें। अब हम पद 10 पर आते हैं। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि बहुत से विद्रोही लोग हैं जो व्यर्थ की बातों और धोखे से भरे हुए हैं, विशेषकर खतना समूह के लोग।

निःसंदेह, ये वे लोग होंगे जो यहूदी हैं या ऐसे लोग होंगे जिन्होंने उस दृष्टिकोण को स्वीकार कर लिया है जिसे जेरूसलम काउंसिल में खारिज कर दिया गया था कि अच्छी स्थिति में ईसाई होने के लिए, एक मसीहाई अनुयायी होने के लिए, आपको परंपराओं का पालन करना होगा जब आहार की बात आती है और जब खतना और अन्य रीति-रिवाजों की बात आती है जो पुराने नियम के समय में भगवान के लोगों को उनके लोगों के रूप में उनकी पहचान के मार्कर के रूप में दिए गए हैं। पॉल का कहना है कि उन्हें चुप करा देना चाहिए, ये लोग जो विद्रोही हैं और बकवास कर रहे हैं। उन्हें चुप कराने की जरूरत है क्योंकि वे ऐसी बातें सिखाकर पूरे परिवार को परेशान कर रहे हैं जो उन्हें नहीं सिखानी चाहिए, और यह बेईमानी के लाभ के लिए है।

अब उनके पास उस समय सैटेलाइट टीवी नहीं था, लेकिन यदि आप सैटेलाइट टीवी पर इधर-उधर घूमते हैं, तो आपको बहुत दूर देखने की ज़रूरत नहीं है, और आप ऐसे लोगों को देखेंगे जो चीजें सिखा रहे हैं, और वे बाइबल का उपयोग कर रहे हैं, और यह एक चर्च जैसा दिखता है। वहाँ एक मंच होगा, और यह ईसाई धर्म की तरह लगता है, लेकिन अपील का एक बड़ा हिस्सा योगदान से संबंधित है, और शायद यह स्क्रीन पर फ्लैश हो जाएगा, हमें इस पते पर पैसे भेजें। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि एयरवेक्स पर हर कोई बेईमान है, लेकिन ऐसी कई रिपोर्टें आई हैं कि कई जेट वाले और बड़ी संपत्ति वाले लोग और ऐसे लोग जो सुसमाचार भाषा और ईसाई विरासत से बहुत अमीर हो गए हैं, और जब यह ईमानदार नहीं होता है जब यह बेईमानी होगी, तो यह बेईमानी के लाभ के लिए होगी, और यह पूरी दुनिया में चलता है, और यह सभी प्रकार के स्तरों पर चलता है।

यह उच्च स्तर, विशिष्ट स्तर और जेट-सेट स्तर पर चलता है। यह बहुत ही सामान्य स्तर पर चलता रहता है। हर साल, गॉर्डन-कॉनवेल सेमिनरी में एक थिंक टैंक और एक शोध केंद्र होता है।

इसे वैश्विक ईसाई धर्म के अध्ययन के लिए केंद्र कहा जाता है, और वे वैश्विक ईसाई परिदृश्य में चीजों को ट्रैक करने का प्रयास करते हैं। मुझे लगता है कि उनके आंकड़ों के वार्षिक अद्यतन के जनवरी 2022 अंक में, जो आंकड़े वे देते हैं उनमें से एक चर्च में विदेशी मिशनों को दी जाने वाली धनराशि है, और मुझे लगता है कि यह विश्व स्तर पर है, और वे उस संख्या पर विचार करते हैं, और यह पिछले चार या पांच वर्षों से लगातार बना हुआ है, उनका मानना है कि यह संख्या 60 अरब से कम है, इसलिए 60 अरब, 62 अरब, लगभग इतना ही पैसा हर साल विदेशी मिशनों को समर्पित किया जाता है, लेकिन पिछले चार या पांच वर्षों में हर साल मैं इन आंकड़ों पर नज़र रख रहा हूँ, इसमें भ्रष्टाचार के कारण खोए गए धन का भी एक आंकड़ा है, और यह आंकड़ा लगातार 66, 68, 69 अरब डॉलर के आसपास है। चर्च से चोरी करने वाले लोगों से चर्च को दुनिया भर के चर्चों द्वारा अन्य क्षेत्रों में सुसमाचार फैलाने के लिए दिए जाने वाले धन से अधिक धन की हानि होती है, इसलिए यह कोई नई समस्या नहीं है। यह वह है जो अभी भी हमारे साथ है, और यह उस स्थिति का हिस्सा है जब आपके पास पापी लोग आते हैं जो चर्च में आते हैं या चर्च के आसपास होते हैं, और नकदी प्रवाह होता है।

यदि आपके पास समूह के लक्ष्यों में योगदान देने वाले लोग नहीं हैं, तो आपके पास चर्च नहीं हो सकता है, और यह अच्छा है। यह अच्छा है जब लोग उदार हों। यह एक नेता के लिए योग्यताओं में से एक है।

आपको उदार होने की ज़रूरत है। आपको मेहमाननवाज़ होने की ज़रूरत है। इसके लिए आय की आवश्यकता होती है, लेकिन उनके पास ऐसे लोग होते हैं जो इसका खेल खेलते हैं और उसका शोषण करते हैं।

आयत 12, क्रेते के ही भविष्यवक्ताओं में से एक ने कहा है, क्रेतेवासी सदैव झूठे, दुष्ट जानवर, आलसी पेटू होते हैं। कहावत सत्य है। इसलिये वह कहता है, उन्हें सख्ती से डाँटो ताकि वे विश्वास में दृढ़ हो जायें।

ये लोग जो अक्सर अपने दृष्टिकोण में वाम क्षेत्र में रहते हैं, उन्हें फिर से केंद्र में लाने की जरूरत है। उन्हें विश्वास में दृढ़ रहने की जरूरत है और यहूदी मिथकों या सच्चाई को अस्वीकार करने वालों के मात्र मानवीय आदेशों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। यदि हम यीशु के मंत्रालय में वापस जाते हैं, तो हमें याद आता है कि वह अपने परिवेश में लोगों को कैसे देखता था।

मैं विशेषकर मार्क अध्याय 7 के बारे में सोच रहा हूँ। ये अपने समय के विद्वान धार्मिक नेता थे। यीशु ने यशायाह को उद्धृत किया। यशायाह 28 में, परमेश्वर यशायाह से कहते हैं, ये लोग होठों से तो मेरा आदर करते हैं, परन्तु उनके मन मुझ से दूर हैं।

वे मनुष्यों की परंपराओं के अनुसार ईश्वरीय आदेशों के अनुसार शिक्षा देते हैं। जो लोग सत्य को अस्वीकार करते हैं, उनके बारे में मिथकों और मानवीय आदेशों से पॉल का यही मतलब है। कभी-कभी ऐसी अच्छी चीजें होती हैं जिनकी आज्ञा चर्च में दी जा सकती है, लेकिन बाइबल जो कह रही है उसका केंद्र बिंदु वे नहीं हैं।

उदाहरण के लिए, आपके पास एक चर्च हो सकता है कि चर्च में, संस्कृति में एक सामान्य धारणा है, आपको चर्च जाने के लिए तैयार होना चाहिए। या मैं अभी एक चर्च में हूँ, और यह एक अच्छा चर्च है, लेकिन वहां ऐसा लगता है कि आपको अच्छे कपड़े पहनने चाहिए। चर्च व्यवसायिक लोगों से भरा है, लेकिन आपको चर्च में कभी कोई बंधन नहीं दिखता, क्योंकि चर्च के पास एक तरह का अनकहा समझौता है।

कम से कम मैंने कभी किसी को इसके बारे में बोलते नहीं सुना, लेकिन जब मैं गया तो मुझे आश्चर्य हुआ क्योंकि मुझे पता था कि यह एक समृद्ध उपनगर था, और मुझे बस संदेह था कि यहां बहुत सारे अमीर लोग होंगे, और मैं ठीक था। लेकिन कोई भी वैसे कपड़े नहीं पहनता जैसे वे काम पर जाते हैं। वे टाई नहीं पहनते।

वे कोट नहीं पहनते। वे सफेद शर्ट नहीं पहनते। खैर, यह ठीक है, लेकिन यह सिर्फ एक मानवीय समझौता है।

मुझे लगता है कि उनके पास कुछ धार्मिक आधार हैं। मुझे लगता है कि वे एक सामुदायिक चर्च बनना चाहते हैं जो उन लोगों का स्वागत करता है जो चर्च में नहीं हैं, और यदि वे अंदर आते हैं, और हर कोई सूट पहनता है, तो वे कहेंगे, मैं यहां नहीं रहना चाहता। लेकिन अगर हर कोई गर्मियों में है, अगर वे शॉर्ट्स पहने हुए हैं, और वे सैंडल पहने हुए हैं, और वे गोल्फ शर्ट पहने हुए हैं, तो यह लोगों के लिए आरामदायक है।

तो, यह चर्च की एक तरह की रक्षात्मक प्रथा है। लेकिन यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे आप कह सकें, यदि आप ईसाई बनना चाहते हैं, तो आपको अच्छे कपड़े पहनने होंगे। या धार्मिक चर्च में, आपको सजना-संवरना होगा।

लेकिन ये चीजें कुख्यात रूप से होती हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप दुनिया में कहां जाते हैं, लोग जो कर रहे हैं उसे प्रायश्चित के सिद्धांत, या धर्मग्रंथ के सिद्धांत, या भगवान के

सिद्धांत के समान स्तर पर रखा जाता है। और लोग सोचते हैं कि ईसाई होना कुछ रीति-रिवाजों के साथ मेल खाता है।

एक निश्चित तरीके से बात करना, गाली न देना, कुछ गेम न खेलना, शराब न पीना। यदि आप ये चीजें नहीं करते हैं, तो ईसाई होने का यही मतलब है, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है जिसे आप कह सकते हैं, ईसाई होने का यही मतलब है। शराब पीना छोड़ो, चर्च जाओ, अच्छे कपड़े पहनो।

इसका मतलब यही है। वह महज एक मानवीय आदेश होगा। खैर, उनकी अपनी मानवीय आज्ञाएँ थीं, और उनकी अपनी यहूदी प्रथाएँ थीं।

याद रखें, उन्होंने कहा था कि यह खतना समूह है। उनके पास यहूदी मिथक और विचार थे। और यह सुसमाचार की सच्चाई की अस्वीकृति थी।

और इससे समस्याएँ पैदा हो रही थीं, क्योंकि न केवल वे बेस से बाहर थे, बल्कि वे अन्य लोगों को भी अपने साथ बेस से हटाने की कोशिश कर रहे थे। और निःसंदेह, यदि आप इन दिशाओं में भटक जाते हैं, तो आप वास्तव में मसीह में नहीं चल रहे हैं। आप विश्वास में नहीं चल रहे हैं।

आप मानवीय शिक्षाओं और रीति-रिवाजों पर चल रहे हैं। और भगवान की पवित्र करने वाली कृपा, तब यह काम नहीं करती है, क्योंकि आप भगवान की कृपा के लिए उसकी ओर नहीं देख रहे हैं। आप अपना जीवन ऐसे तरीकों से जी रहे हैं जैसे आपने तय किया है कि इससे ईश्वर की महिमा होगी।

और जब आप उसके अनुसार जीना शुरू करते हैं जो आप सोचते हैं कि इससे परमेश्वर की महिमा होगी, न कि जो परमेश्वर कहते हैं उससे उसकी महिमा होगी, तो कुछ भी संभव है। क्योंकि, ईश्वर के नेतृत्व के बिना हम बुरी दिशा में जाते हैं। आयत 15 में, पॉल कहते हैं, शुद्ध लोगों के लिए सभी चीजें शुद्ध हैं, परन्तु जो भ्रष्ट हैं और विश्वास नहीं करते, उनके लिए कुछ भी शुद्ध नहीं है।

दरअसल, उनके दिमाग और विवेक दोनों भ्रष्ट हैं। और फिर, उन लोगों के बारे में विशेष रूप से बोलते हुए जिनके बारे में पॉल टाइटस को बताने जा रहा है, उसे इन लोगों को सही करने की आवश्यकता है। और बाद में अध्याय 3 में, वह कहते हैं कि शायद आपको इनमें से कुछ लोगों को बहिष्कृत करने की भी आवश्यकता है।

लेकिन वह इन लोगों और उनकी दिशा के बारे में कहता है, वह कहता है, वे ईश्वर को जानने का दावा करते हैं, लेकिन अपने कार्यों से उसे नकारते हैं। और इसलिए यहां शायद पहला स्पष्ट प्रमाण है कि एनआईवी के शीर्षकों में इतना अच्छा क्यों है, क्योंकि क्रेते के चर्चों में एक प्राथमिक मुद्दा यह था कि ये लोग थे जो अपने कार्यों से, अपने कार्यों से, अपने कार्य से, वे थे ईश्वर को नकार रहे थे। वे परमेश्वर के ज्ञान का दावा कर रहे थे, परन्तु वे अपने कार्यों से उसे नकार रहे थे।

और फिर पौलुस कहता है, वे घृणित हैं, वे अवज्ञाकारी हैं, वे कुछ भी अच्छा करने के योग्य नहीं हैं। और मुझे वहां ग्रीक भाषा मिल गई है, और उसका किसी भी अच्छे काम के लिए अनुवाद

किया जा सकता है। और आप उस शब्द को बीच में देख सकते हैं, एर्गन, यह थोड़ा ई जैसा दिखता है और यह पी जैसा दिखता है, लेकिन ग्रीक में, यह एक पंक्ति है, एक आर, इसलिए यह एर्गन है, और इसके बाद के शब्द का मतलब अच्छा है।

और शुरुआत में प्रत्येक या कोई भी है, आप इसे यहां किसी भी तरह से अनुवाद कर सकते हैं। तो, आपको यहां उन लोगों की प्रोफ़ाइल मिलेगी जो अच्छा करने में असफल होते हैं और क्यों टाइटस, जैसा कि पॉल पहले भी कहता है, पहले जाकर, उसे भरोसेमंद संदेश को दृढ़ता से पकड़ना चाहिए क्योंकि यह सिखाया गया है ताकि वह ध्वनि सिद्धांत द्वारा दूसरों को प्रोत्साहित कर सके और जो लोग इसका विरोध करते हैं उनका खंडन करें। और उसे यह कहना पड़ा क्योंकि बहुत से लोग विद्रोही हैं, व्यर्थ की बातों और धोखे से भरे हुए हैं।

तो अब हमें नेताओं की आवश्यकता है, और हमें कारण मिल गया है कि हमें इन नेताओं की आवश्यकता क्यों है क्योंकि हमारे पास पर्दे के पीछे का भ्रष्टाचार है और जो चर्च को प्रभावित कर रहा है। खैर, मुझे लगता है कि टाइटस के कार्यों के बारे में बात करना और वे पुस्तक में कितने महत्वपूर्ण हैं, यह एक अच्छा मुद्दा है। और मैंने एक चार्ट बनाया है जहां बाईं ओर आपको छंद मिलेंगे जिनमें एर्गन, वर्क शब्द आता है, चाहे एकवचन में या बहुवचन में और फिर उस घटना के बारे में एक टिप्पणी।

तो, हम पहले ही बायीं ओर 1.16 पढ़ चुके हैं। मेरी टिप्पणी यह है कि जिस विश्वास को कबूल किया जाता है, और जिस विश्वास को कबूल किया जाता है उसे कार्यों के साथ संरेखित करने की आवश्यकता होती है। इसलिए, वे ईश्वर को जानने का दावा करते हैं, और वे ईश्वर को जानने का दावा करते हैं, लेकिन यीशु ने कहा, उनके फलों से, तुम उन्हें जान जाओगे।

जिस विश्वास को स्वीकार किया गया है उसे कार्यों के साथ संरेखित करने की आवश्यकता है। और जिन कार्यों को ईश्वर अच्छे के रूप में पहचानता है, वे सुसमाचार के विश्वासियों के लिए उच्च प्राथमिकता हैं। इसलिए, यह सिर्फ वह नहीं है जो हम कहते हैं, यह सिर्फ वह नहीं है जो हम सोचते हैं या जो हम कहते हैं उस पर हम विश्वास करते हैं, बल्कि यह है कि वह कैसे साकार होता है।

क्योंकि सुसमाचार का सत्य इतना शक्तिशाली है कि जब हम इसे अपनाते हैं, तो मुझे यह कहना पसंद है कि ईश्वर हमारे दिमाग में आ जाता है। हो सकता है आपके दिमाग में कुछ चल रहा हो। और यदि आप खेल में हैं, तो कभी-कभी आप दूसरे पिचर या दूसरी टीम के किसी व्यक्ति के दिमाग में आने की कोशिश करते हैं।

यदि आप उनका ध्यान भटका सकते हैं और उनका ध्यान और एकाग्रता भटका सकते हैं, तो आप उनका व्यवहार बदल सकते हैं। आप उनके प्रदर्शन के तरीके को बदलें। और जब हम केवल अपने जीवन से गुजर रहे हैं, अपना जीवन जी रहे हैं, तो शायद उस समय के बारे में सोचें जब आप ईसाई नहीं थे, आप कुछ बहुत ही पागलपन भरे काम कर सकते हैं।

लेकिन अगर ईश्वर आपके दिमाग में आ जाता है, अगर यीशु मसीह का सुसमाचार आपके पास आता है, अगर आप उस मसीह में विश्वास करते हैं जो आपके लिए मर गया, तो आप अपने पापों के लिए दोषी ठहराए जाते हैं, आपको एहसास होता है कि आप ईश्वर के सामने न्याय के योग्य हैं, और आप एहसास करें कि मसीह आपके पापों के लिए मर गया, और वह आपके उद्धार के लिए मृतकों में से जी उठा। और वह आपको क्षमा के लिए और उसकी सेवा के एक नए जीवन के लिए उस पर विश्वास करने के लिए बुला रहा है। जब वह आप पर हमला करता है, तो वह आपके दिमाग में होता है, और यह आपको अकेला नहीं छोड़ता है।

आप इससे मुंह मोड़ने की कोशिश कर सकते हैं. आप परमेश्वर के विरुद्ध पाप करने जा रहे हैं, लेकिन परमेश्वर आपको दोषी ठहराता है, और परमेश्वर आपको वापस लाता है, और आप अनुग्रह में बढ़ते हैं, और आप परमेश्वर के ज्ञान में बढ़ते हैं। और इसका परिणाम यह होता है कि आपका व्यवहार बदल जाता है, और आपके खर्च करने का तरीका बदल जाता है, आपके बोलने का तरीका बदल जाता है, आपका पढ़ने का तरीका बदल जाता है।

जैसे-जैसे हम अपने जीवन को स्वयं की सेवा करने से लेकर ईश्वर की सेवा करने की ओर बदलते हैं, वैसे ही हमारे जीवन में बहुत सारे परिवर्तन आते हैं, जिस प्रकार ईसा मसीह का शिष्यत्व हमारे जीवन को बदल देता है। मेरी पत्नी और मैं, जब हम बहुत छोटे थे, पश्चिमी मोंटाना में एक शानदार भविष्य की महान योजनाएँ बनाई थीं। मैं पश्चिमी मोंटाना में लॉग इन कर रहा था, और मेरी पत्नी पहले पश्चिमी मोंटाना में नर्स प्रशिक्षण में थी, और फिर, वह एक नर्स बन गई।

लेकिन हम एक चर्च में शामिल थे, हम ईसाई के रूप में विकसित होने लगे। जंगल में चार साल बिताने के बाद, मुझे एहसास हुआ कि मुझे वास्तव में लॉगिंग बंद करने और बाइबिल में कुछ शिक्षा प्राप्त करने की आवश्यकता है ताकि मैं एक बेहतर ईसाई बन सकूँ क्योंकि मैं बाइबिल के बारे में कुछ भी नहीं जानता था। इसलिए, मैंने कॉलेज की डिग्री पूरी की, और फिर मैं बैकलॉगिंग में लग गया, और मैंने सोचा, ठीक है, अब, मैं अपना दृष्टिकोण प्राप्त कर सकता हूँ।

मैं एक लकड़हारा हो सकता हूँ. मैं चर्च लगा सकता हूँ. मैं उपदेश दे सकता हूँ.

और, यह एक महान भविष्य होने जा रहा है। लेकिन यह भगवान का भविष्य नहीं था, और वह हमें अकेला नहीं छोड़ेगा। और इसलिए, मुझे मोंटाना में लॉगिंग छोड़ना पड़ा, और मुझे खुशी है कि जब भी मैं मोंटाना वापस आ सकूँगा।

लेकिन मैं 37 साल, 38 साल से पढ़ा रहा हूँ, और वह आगे के प्रशिक्षण में प्रवेश करने से पांच साल दूर था, शिक्षण शुरू करने से पहले पांच साल के लिए मास्टर प्रशिक्षण। इसलिए, मेरा जीवन बिल्कुल उस तरह से नहीं निकला जैसा मैंने उम्मीद की थी। मुझे बहुत सारा काम करना पड़ा और उन क्षेत्रों में काम करना पड़ा जब मैं लॉगिंग कर रहा था, मेरी बिल्कुल भी रुचि नहीं थी।

वास्तव में, मैं हमेशा कहूँगा कि मैं डेस्क जॉब में कभी टिक नहीं सकता। और इसी तरह से ईश्वर हमारे जीवन में कई बार कार्य करता है। यह कुछ ऐसा है जो हमारे श्रृंगार का हिस्सा है, जो व्यावहारिक रूप से बाहर रहने जैसा है।

भगवान कहते हैं, अरे, यह बहुत अच्छा है, लेकिन मैं इसे तुम्हारे लिए स्वर्ग में बनाऊंगा। लेकिन जब तक आप इस धरती पर हैं, मुझे कुछ अन्य स्थान मिल गए हैं जिनकी मुझे आपके लिए आवश्यकता है। यह एक उच्च प्राथमिकता है कि हम अपने जीवन को उस विश्वास के साथ जिएं जो हम कहते हैं कि हमारे पास है यदि हम वास्तव में भगवान पर भरोसा करते हैं, तो सब कुछ मेज पर है।

हमारे जीवन में सब कुछ ईश्वर के विवेकानुसार पुनर्व्यवस्थित करने के लिए तैयार है। चाहे आप अपने नैतिक जीवन, अपने आंतरिक जीवन, अपने बाहरी जीवन, अपने कैरियर जीवन, अपने संबंधपरक जीवन, हर चीज के बारे में बात कर रहे हों, वह भगवान है। वह सभी का भगवान है।

और आप उसे केवल कुछ अच्छे शब्दों और कुछ धार्मिक कार्यों से संतुष्ट नहीं कर सकते। 2-7 में, हम पढ़ने जा रहे हैं, और सब कुछ जो अच्छा है उसे करके उनके लिए एक उदाहरण स्थापित करें। और यहाँ टिप्पणी टाइटस को संबोधित है।

एक चर्च नेता के रूप में, टाइटस को लोगों के सामने अच्छे कार्यों में समृद्ध होने का एक उदाहरण स्थापित करने की आवश्यकता है। और आप एनआईवी में हर मामले में देखेंगे, ग्रीक अच्छा काम या अच्छे काम कहता है, और एनआईवी ने कुछ भी अच्छा या क्या अच्छा है यह कहने का फैसला किया है। और यह ठीक है।

लेकिन जो अच्छा है उसे करना और अच्छे काम करना, जो अच्छा है वह एक तरह से अस्पष्ट है। यह वास्तव में स्पष्ट नहीं है। जो अच्छा है वही करना।

अच्छे कार्य, मुझे लगता है कि यह अधिक स्पष्ट है। हम उन चीजों के बारे में बात कर रहे हैं जो बाइबल आदेश देती है क्योंकि बाइबल आदेशों से भरी हुई है। और यीशु कहते हैं, यदि तुम मुझ से प्रेम रखते हो, तो जो मैं आज्ञा दूंगा वही तुम करोगे।

और प्रभु की आज्ञाओं को जानना एक अच्छी बात है ताकि उसके साथ हमारे रिश्ते में, हमें कुछ दिशा मिल सके कि उसे क्या पसंद है। हमें दशक-दर-दशक प्रयोग करने की ज़रूरत नहीं है। मुझे आश्चर्य है कि भगवान क्या करेंगे?

मुझे आश्चर्य है कि मुझे क्या करना चाहिए, मैं वही करना चाहता हूँ जो अच्छा है। मुझे आश्चर्य है कि वह क्या है। रब्बी ने कहा कि पुराने नियम में 613 आदेश हैं।

नये नियम में सैकड़ों आदेश हैं। और हम आदेशों से नहीं बचे हैं। लेकिन आज्ञाएँ बड़ी दया हैं क्योंकि जैसे-जैसे हम बाइबल पढ़ते हैं, हमें यह अंदाज़ा होता है कि परमेश्वर को प्रसन्न करने के लिए यह कैसा दिखता है।

और यदि हम ईश्वर को जानते हैं, तो हम ईश्वर को प्रसन्न करना चाहते हैं, कम से कम अपने अच्छे घंटों और अच्छे दिनों में। हम विद्रोही भी हो सकते हैं। लेकिन हमारा पैटर्न यह है कि हम भगवान को खुश करना चाहते हैं, हम भगवान को खुश करने में आगे बढ़ना चाहते हैं।

और आदेश यह हैं कि हम इसे आंशिक रूप से कैसे करते हैं। हम आदेशों से परे जाते हैं, लेकिन आदेश हमें वह दिशा देते हैं जिस पर हमें जाना है। मसीह ने हमें सारी दुष्टता से छुड़ाने और अपने लिए ऐसे लोगों को शुद्ध करने के लिए स्वयं को दे दिया जो उसके अपने हैं, जो अच्छा करने के लिए उत्सुक हैं।

मरने में मसीह का इरादा. अच्छे कार्य करने के लिए उत्साही लोगों को तैयार करने के लिए उन्होंने क्रूस पर अपनी जान दे दी। यह बहुत, बहुत स्पष्ट है, क्रूस और अच्छे कार्यों के बीच का संबंध।

तो, क्रेते में वापस जाने के लिए, यदि लोग कह रहे हैं, यदि वे मसीह का दावा कर रहे हैं, लेकिन अपने कार्यों से, वे उसे अस्वीकार कर रहे हैं, तो यह एक गंभीर विसंगति है। यह ठीक नहीं है, यह ईसाई धर्म का एक अलग दृष्टिकोण है। यह एक अलग दृष्टिकोण है।

यह ईसाई धर्म नहीं है. मसीह स्वयं को शुद्ध करने के लिए मरे, अपने लिए उन लोगों को शुद्ध करने के लिए जो उनके अपने हैं। मसीह के स्वामित्व में होने का मतलब एक ऐसा जीवन जीना है जो बहुत ही उत्पादक है, और अच्छे काम करने में बहुत उपयोगी है।

जब आप अध्याय 3 पर पहुँचें, तो लोगों को शासकों और अधिकारियों के अधीन रहने, आज्ञाकारी होने और जो कुछ भी अच्छा है उसे करने के लिए तैयार रहने की याद दिलाएँ। प्रत्येक अच्छे कार्य के प्रति उत्साह ईसाइयों का गुण होना चाहिए। यहां हम देखते हैं कि कार्य सामाजिक, राजनीतिक क्षेत्र में होते हैं।

लोगों को अपने नागरिक जीवन में शासकों और अधिकारियों के अधीन रहने की याद दिलाएँ। परमेश्वर और उन अधिकारियों के प्रति आज्ञाकारी रहो जिन्हें परमेश्वर ने नियुक्त किया है और जो कुछ अच्छा है उसके लिए उत्साही रहो। उसने हमें हमारे द्वारा किए गए धार्मिक कार्यों के कारण नहीं बचाया, और ग्रीक में, यह अच्छे कार्यों के कारण नहीं, बल्कि उसकी कृपा के आधार पर है।

यह श्लोक हम पहले पढ़ चुके हैं। यह एक विश्वसनीय कहावत है, और फिर यह चलती रहती है। मैं चाहता हूँ कि आप इन बातों पर जोर दें ताकि जिन लोगों ने परमेश्वर पर भरोसा किया है वे अच्छे काम करने में स्वयं को समर्पित करने में सावधान रहें।

ये चीजें सभी के लिए उत्तम और लाभदायक हैं। मेरी टिप्पणी यह है कि पॉल ईसाइयों को आस्था के पेशे से हटकर अच्छे कार्यों की ओर ले जाने को उच्च प्राथमिकता देता है जो उस विश्वास को मूर्त रूप देते हैं और व्यक्त करते हैं। ऐसी सेवा से मोचन लाभ और प्रभाव होता है।

ये चीजें उत्कृष्ट हैं और ये सभी के लिए लाभदायक हैं। अगर आप अच्छे काम सही इरादे से करते हैं तो यह कोई बड़ी बात नहीं है। इससे अन्य लोगों को लाभ होता है, और यह ईश्वर के प्रेम की अभिव्यक्ति है।

ईश्वर के प्रेम की अभिव्यक्ति यह है कि वह कितने प्रकार से इतने सारे लोगों को लाभ पहुँचाता है। खैर, उसके लोगों को ऐसे लोग होने चाहिए जो अपने कार्यों से अन्य लोगों को अन्य तरीकों से



लाभान्वित करते हैं, भले ही कार्य कार्य ही हों। और यही एक कारण है कि लोग अच्छे काम करना पसंद नहीं करते क्योंकि वे चाहते हैं कि यदि उन्हें प्रयास करना है तो वे इसे अपने लिए खर्च करें।

क्या, आपको लगता है कि हम नौकरों का एक समूह हैं और हमें अन्य लोगों की सेवा करने जैसा होना चाहिए? पॉल, ईश्वर का सेवक और यीशु मसीह का प्रेरित। प्रेरितों से शुरू करके, प्रेरित सेवक हैं। निश्चित रूप से, इस दुनिया में भगवान के लोग भगवान के सेवक हैं, जिन्हें भगवान के लोगों को अच्छे कार्यों के लिए उत्साही होने की सख्त जरूरत है, जो भगवान में उनके विश्वास को व्यक्त करते हैं, जो हर किसी को मुफ्त में देते हैं।

और अंत में, एक आखिरी उल्लेख। यह वास्तव में उल्लेखनीय है, टाइटस जितना छोटा है, पॉल इस पर कैसे जोर देता है। और मुझे लगता है कि यह क्रेते पर समाज की अव्यवस्था का एक संकेत है और टाइटस और ईसाई नेताओं के लिए इसके खिलाफ झुकना और सुसमाचार के पूर्ण और सच्चे विनियोग और सुसमाचार के विश्वास पर जोर देना कितना महत्वपूर्ण था जो वास्तव में होता है जीवन बदलें और यह सिर्फ लोगों के सिर पर थपथपाने जैसा नहीं है और कहें, चिंता मत करो, भगवान तुम्हें माफ कर देंगे।

बस यीशु पर विश्वास करो. यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह बिल्कुल सत्य है।

लेकिन अगर यह जीवन को परिवर्तित नहीं करता है, तो यीशु बहुत कुछ नहीं कर रहा है। जैसा कि हमने उस पहले पद में देखा, बहुत ही महत्वपूर्ण पद, उसने हमें सभी दुष्टता से छुड़ाने और अपने लिए एक ऐसे लोगों को शुद्ध करने के लिए खुद को दे दिया जो उसके अपने हैं, जो अच्छा करने के लिए उत्सुक हैं। आप देखिए, क्रूस से शुद्धिकरण तक यह सीधी रेखा है।

और एक बार जब हमारे जीवन से गंदगी धुल जाती है, तो अब हम ईश्वर की आत्मा के पात्र बन सकते हैं जो फल, प्रेम, आनंद, शांति, धैर्य, अच्छाई, दयालुता, नम्रता, विश्वास और आत्म-संयम लाता है। ऐसा जीवन ईश्वर और अन्य लोगों के लिए कार्य करने में समृद्ध होगा। और टाइटस को इसी को बढ़ावा देने के लिए लिखा गया है।

ईसाई आस्था और जीवन का एक केंद्रीय उद्देश्य उनकी व्यावहारिक अभिव्यक्ति और परिणाम में अच्छे कार्य हैं। श्लोक यह है, हमारे लोगों को खुद को अच्छे काम करने के लिए समर्पित करना सीखना चाहिए ताकि वे तत्काल जरूरतों को पूरा कर सकें, और निश्चित रूप से, ये अन्य लोगों की जरूरतें होंगी, और अनुत्पादक जीवन नहीं जीना चाहिए। पॉल उन लोगों के बारे में क्या कहेंगे जो केवल रविवार को चर्च जाते हैं और फिर सप्ताह के बाकी दिनों में पड़ोस के बाकी लोगों की तरह रहते हैं? कम से कम पश्चिम में, चर्चों में यह एक बहुत ही सामान्य सिंड्रोम है।

संक्षेप में, टाइटस 1.16 में, पॉल इस बात पर जोर देता है कि विचाराधीन कार्य उन लोगों की सराहना नहीं करते हैं जो उन्हें करते हैं। वे ईश्वर का खंडन करते हैं। वे परमेश्वर को जानने का दावा करते हैं, परन्तु अपने कामों से उसका इन्कार करते हैं।

यीशु ने कहा, जो कोई मुझ से, हे प्रभु, हे प्रभु कहता है, वह मुझे प्रभु नहीं कहता। जो मुझ से, हे प्रभु, हे प्रभु कहता है, उनमें से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश न करेगा, परन्तु केवल वही जो मेरे

स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है। उस व्यक्ति की त्रुटिपूर्ण स्वीकारोक्ति की समस्या जो ईश्वर को जानने का दावा करता है लेकिन वह जो आदेश देता है वह नहीं करता है, बाइबिल के इतिहास में बार-बार दोहराया जाता है।

बस एक उदाहरण लेने के लिए, यदि आप 1 शमूएल अध्याय 15 पढ़ते हैं, तो आप शाऊल, राजा शाऊल को देखेंगे, और उसे कुछ चीजें करने के लिए कहा गया है, और वह खुद को संतुष्ट करने के लिए कुछ चीजें करता है। ठीक है, मैंने ये चीजें कीं। और तब शमूएल भविष्यद्वक्ता आता है, और कहता है, तू ने वे काम बिलकुल नहीं किए।

और फिर उस ने उस से कहा, आज्ञा मानना बलिदान करने से उत्तम है। उसने बहुत सारे जानवरों की बलि दी, बिल्कुल भगवान की तरह, वास्तव में वह नहीं जो भगवान ने कहा था, लेकिन यह कहने के लिए पर्याप्त था, अरे, मैंने बलि दी। और शमूएल कहता है कि जब परमेश्वर तुम्हें कुछ आदेश देता है, तो परमेश्वर एक जीवित प्राणी है।

आप जानते हैं कि उसका क्या मतलब था, और आप जानते हैं कि आपने कुछ तारांकन चिह्न लगाया था, आपने वही किया जो आप चाहते थे, लेकिन आपने स्वयं को संतुष्ट करने के लिए वह जो वह चाहता था, काफी किया, हे भगवान, क्या यह पर्याप्त नहीं है? और उस प्रकार की गणनात्मक धार्मिकता, हम संपूर्ण बाइबिल में पाते हैं। और इसलिए, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि हम इसे क्रेते में देखते हैं। और मैं कुछ टिप्पणीकारों को उद्धृत कर रहा हूँ।

एक का कहना है कि ध्वनि सिद्धांत केवल एक प्रस्तावित पेशा नहीं है, बल्कि एक दृढ़ विश्वास है जो मन को प्रकाशित करता है ताकि वह अच्छे आचरण में सक्रिय हो सके। एक अन्य टिप्पणीकार का कहना है, पॉल समझता है कि ऑर्थोप्रेक्सी के बिना रूढ़िवादी उद्घोषणा, ऑर्थोप्रेक्सी सही अभ्यास है, जो हमारे द्वारा घोषित विश्वास का मजाक बनाता है। इसलिए, मुझे लगता है कि हम समस्या को देखते हैं।

मुझे लगता है कि हम चुनौती देखते हैं। और यह सुसमाचार लोगों के जीने के तरीके को बदलने के लिए है। और अब मण्डली की ओर मुड़ते हुए टाइटस को बता रहे हैं, इसका प्रतिकार करने के लिए, मण्डली के बीच कुछ चीजों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है।

और वह कहता है, हालाँकि, आपको वह सिखाना चाहिए जो ठोस सिद्धांत के लिए उपयुक्त हो। और लाल रंग में, हमें पढ़ाना ही होगा, यह एक अनिवार्यता है। हालाँकि यह बहुत दिलचस्प है, वह एक क्रिया का उपयोग करता है, जो सिर्फ बोलने के लिए है।

और यदि आप ग्रीक शब्दकोष में देखें, या यदि आप शेष नए नियम में देखें, तो जब इस क्रिया का अनुवाद किया जाता है, तो इसका अनुवाद कभी भी सिखाना नहीं होता है। और इसलिए यहाँ, वास्तव में, मुझे लगता है कि जबकि टाइटस के बोलने में उसकी शिक्षा शामिल होगी, मुझे लगता है कि शब्द का वास्तव में मतलब है, टाइटस, आप जहाँ भी जाएँ और हालाँकि, आपके संचार का तरीका जो भी हो, वही बोलें जो ध्वनि सिद्धांत के लिए उपयुक्त हो। तो, शिक्षण ऐसा लगता है जैसे

यह औपचारिक और सीमित है, लेकिन मुझे लगता है कि ग्रीक हमें टाइटस के औपचारिक और अनौपचारिक मौखिक संचार के संदर्भ में सोचने के लिए प्रोत्साहित करता है।

वह जो कुछ भी करता है वह सही सिद्धांत के अनुरूप होना चाहिए। क्योंकि आप देखिए, यदि वह ऐसा करता है, तो वह पाखंडी नहीं है। यदि आपको उन लोगों से समस्या है जो कहते एक बात हैं, दावा कुछ और करते हैं, लेकिन कर कुछ और रहे हैं, और फिर आप दावा कुछ और करते हैं, लेकिन यह सिर्फ आपकी शिक्षा है।

यह जरूरी नहीं है कि आप हर जगह क्या कहें। आप भी उसी चीज़ के लिए दोषी हो सकते हैं जिसके लिए वे दोषी हैं। इसलिए मुझे लगता है कि वह यह नहीं कहते कि पढ़ाओ।

ऐसी बहुत-सी क्रियाएँ हैं जिनका उपयोग वह सिखाने के लिए कर सकता था। वह कह रहा है, आप जो भी कहें, उसे उचित रहने दें, उसे सुसंगत रहने दें, अच्छी शिक्षा दें। बूढ़े आदमी, और क्रिया, हम शिक्षक पढ़ते रहते हैं, लेकिन यह शब्द ग्रीक में नहीं आता है।

यह बस इतना है कि इसे श्लोक एक में उपदेशक द्वारा समझा गया है। यह सिर्फ इतना कहता है, कि बूढ़े आदमी संयमी बनें। ऐसा बोलो जैसे बड़े आदमी संयमी हों।

इसका मतलब है कि वे वास्तव में आकर्षक नहीं हैं। वे वास्तव में ठंडे नहीं हैं। वे स्थिर हैं।

वे अस्थिर नहीं हैं। वे सम्मान के पात्र हैं। वे आत्म-नियंत्रित हैं।

वे विश्वास, प्रेम और धीरज में दृढ़ हैं। वे परिपक्वता में बढ़ रहे हैं, और वे उस स्थिरता में बने हुए हैं जो मसीह के कई अनुभवी सेवकों को चिह्नित करती है। इसी तरह, बड़ी उम्र की महिलाओं को अपने रहन-सहन के तरीके में श्रद्धा रखना सिखाएं।

मेरी माँ की उम्र नब्बे के आसपास है, और एक बात जो वह मुझे कई वर्षों से बताती आ रही है वह यह है कि जब आप बड़े हो जाते हैं, तो आप अदृश्य हो जाते हैं। लोग आप पर अधिक ध्यान नहीं देते और जब देते हैं तो प्रिय या प्रिय जैसे शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। वे लगभग ऐसे बोलेंगे जैसे वे किसी कुत्ते से बात कर रहे हों।

वे इस बूढ़े व्यक्ति से बात करने में संकोच करते हैं, और विशेष रूप से मेरी माँ कहती हैं कि वृद्ध महिलाएँ। वृद्ध महिलाओं को एक तरह से हाशिए पर रखा जाता है, और वह शायद सही है, लेकिन बाइबल में, वृद्ध महिलाओं को हाशिए पर नहीं रखा गया है। वास्तव में, हमने 1 तीमुथियुस अध्याय पाँच में देखा कि कैसे पॉल, जिस पर अक्सर स्त्री-द्वेषी होने का आरोप लगाया जाता है, वह महिलाओं की परवाह नहीं करता है या महिलाओं को पसंद नहीं करता है, वह 60 या उससे अधिक उम्र की बूढ़ी महिलाओं की देखभाल के बारे में बात करने में अधिक समय व्यतीत करता है।

वह 1 टिमोथी पुस्तक में किसी भी चीज़ के बारे में बात करने की तुलना में बूढ़ी महिलाओं की देखभाल के बारे में बात करने में अधिक समय व्यतीत करता है। ऐसा नहीं लगता कि कोई ऐसा

व्यक्ति है जो महिलाओं से नफरत करता है। इसलिए, वृद्ध महिलाओं की शिष्यता किसी भी चर्च के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है।

बड़ी उम्र की महिलाओं को अपने रहन-सहन के तरीके में श्रद्धा रखना सिखाएं, निंदा करने वाली, लोगों के खिलाफ बात करने वाली या बहुत अधिक शराब पीने वाली न बनें। यह दुनिया का वह हिस्सा है जहां शराब संस्कृति का हिस्सा है, और लोग आसानी से शराब का दुरुपयोग कर सकते हैं। उस व्यक्ति मत बनो, बल्कि जो अच्छा है उसे सिखाओ।

तब वे युवा महिलाओं से आग्रह कर सकती हैं कि वे अपने पतियों और बच्चों से प्यार करें, आत्म-नियंत्रित और पवित्र रहें और घर में व्यस्त रहें। मैं उस पर बाद में वापस आऊंगा, इसीलिए इसे रेखांकित किया गया है। दयालु होना, अपने पतियों के अधीन रहना, ताकि कोई परमेश्वर के वचन को बदनाम न करे।

अब यही एकमात्र कारण नहीं है। यह केवल दिखावे के लिए नहीं है ताकि कोई परमेश्वर के वचन को बदनाम न करे। ईश्वरीय जीवन जीने में एक आंतरिक आशीर्वाद है।

एक पत्नी या पति या एक बच्चे के लिए एक बड़ा लाभ है जो एक ईसाई घराने में रह रहा है और एक ईसाई संगति में रह रहा है। यह गुणात्मक रूप से जीने का एक बेहतर तरीका है। ईश्वर के साथ संगति में, ईश्वर की सेवा में, ईश्वर की आराधना में, ईश्वर के प्रति पश्चाताप में, और ईश्वर से सीखना, और दूसरों के साथ संगति में सीखना, जिसमें आपकी माँ और आपकी पत्नी और आपकी बहन और आपकी भी शामिल हैं, जीवन जीना बेहतर है। भाई आपके घर में जो भी है।

लेकिन यह सब कहने के बाद, यह भी सच है कि यदि आप एक ईसाई के रूप में इस तरह से रहते हैं, आप एक अच्छा ईसाई जीवन जी रहे हैं, तो आप चर्च के बाहर के लोगों के लिए एक पाखंडी की तरह नहीं दिखेंगे। किसी भी चर्च का लक्ष्य विकास करना है, और यदि चर्च पाखंडियों से भरा है, यदि यह चर्च की पहचान रखने वाले लोगों से भरा है, लेकिन तब उनके परिवार जर्जर हो जाते हैं, तो उनका विकास करना कठिन है। फिर, जैसा कि मैंने कहा, लोगों के लिए चर्च जाना और फिर हर किसी की तरह अपना जीवन जीना आम बात है।

लोगों के लिए चर्च में उपस्थिति और चर्च की सदस्यता होना आम बात है, लेकिन वास्तव में उनके पास ईसाई घर नहीं है। आप एक ईसाई में बड़े हो सकते हैं, आप एक घर में बड़े हो सकते हैं और हर समय चर्च जा सकते हैं, और आपके माता-पिता चर्च के अधिकारी हो सकते हैं, लेकिन हो सकता है कि आप भोजन प्रार्थना के अलावा कभी भी घर पर प्रार्थना न करें। या आप ऐसे व्यक्ति हो सकते हैं जो चर्च जाता है और आपके बच्चे बड़े हो जाते हैं और उन्होंने आपको कभी घर पर बाइबल पढ़ते नहीं देखा है।

या आपकी माँ ने सोचा कि उन्होंने कभी आपके साथ प्रार्थना नहीं की। मेरा मतलब है, इसीलिए वे आपको संडे स्कूल ले जाते हैं, है ना? नहीं, लेकिन यह बहुत आम बात है, कि लोग चर्च में रहते हुए भी गैर-ईसाई जीवन जीते हैं।

इससे लोग परमेश्वर के वचन को बदनाम करेंगे। क्योंकि वे कहेंगे, रुको, यह व्यक्ति इस चर्च में जाता है, वे यहां हर किसी की तरह रहकर क्या कर रहे हैं, वही कर रहे हैं जो बाकी सब करते हैं? हम सभी अलग-अलग परिवेश में बड़े हुए हैं, लेकिन मैं बस इसी के साथ बड़ा हुआ हूँ। ऐसे लोग थे जो कैथोलिक थे, और वे लोग थे जो बैप्टिस्ट थे, और वे लोग थे जो प्रेस्बिटेरियन थे, और वे लोग थे जो मेथोडिस्ट थे।

लेकिन हर कोई नशीली दवाओं में शामिल हो रहा था, और हर कोई आसपास सो रहा था, और हर कोई उस समय की संस्कृति की तरह जी रहा था, भले ही अधिकांश बच्चे चर्च जाते थे। परन्तु चर्च ने उनके व्यावहारिक जीवन पर कोई प्रभाव नहीं डाला। और कम से कम जिन लोगों को मैं जानता था, उनका घर भी ऐसा ही था।

जहाँ तक चर्च जाने की बात है तो उनकी चर्च में आलोचना की जाती थी, लेकिन उनके माँ और पिताजी किसी भी अन्य माँ और पिताजी की तरह ही रहते थे। अब, आप कह सकते हैं, ठीक है, चलो इसे बदल दें। खैर, इसकी शुरुआत व्यक्तियों से होती है और यही इस अध्याय की प्रतिभा है।

इस अध्याय की खासियत यह है कि पॉल जानता है कि आप सिर्फ एक छड़ी घुमाकर बहुत सारे लोगों को नहीं बदल सकते। इसमें शिष्यत्व की कड़ी मेहनत लगती है। यीशु किसी ऊँचे पहाड़ पर खड़े होकर सिर्फ बातें घोषित नहीं करते थे।

यीशु लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर रहते थे, और उन्होंने देखा होगा कि उनका आचरण कैसा था। उन्होंने एक तरह से उनके तरीकों और उनके लहजे को आत्मसात कर लिया होगा और उन्होंने व्यक्तिगत बातचीत से लोगों को बदल दिया। हम चरित्र के बल पर कह सकते हैं।

उनकी शिक्षा को उनकी व्यक्तिगत उपस्थिति से बल मिला। और हमारे पास यीशु मसीह की आत्मा है जिसे हम पवित्र आत्मा कहते हैं, और हमारे पास पवित्र ग्रंथ है जो हमें दिया गया है जिसे हम अपने दिमाग में डाल सकते हैं और अपने दिलों में आत्मसात कर सकते हैं, और पवित्र आत्मा उसे फलदायी बना सकता है। और जैसे-जैसे हम साथ-साथ रहते हैं, हम विकसित हो सकते हैं और मसीह की तरह बन सकते हैं।

लेकिन मैं यहां जिस बारे में बात कर रहा हूँ, मैं एक बूढ़ा आदमी हूँ, लेकिन आप एक बूढ़ी महिला हो सकते हैं, या आप एक युवा महिला हो सकते हैं, या जवान या छोटी, या बड़ी या बड़ी हो सकती हैं। लेकिन जनसांख्यिकीय पैमाने पर आप जहां भी हों, वही चर्च के नवीनीकरण की कुंजी है। नवीनीकरण केवल धूल या धूप फैलाने की तरह नहीं होता है और अब हर कोई नवीनीकृत हो गया है।

इसके लिए व्यक्तियों को ईश्वर के साथ सही होने की आवश्यकता होती है। अब, भगवान के साथ सही होने वाले व्यक्ति संक्रामक हो सकते हैं, जैसे बास्केटबॉल में शूटिंग करना या बेसबॉल में मारना, कोई गर्म हो जाता है, फिर हर कोई गर्म हो जाता है। और इसलिए आपके पास नवीनीकरण का मौसम हो सकता है जहां बहुत से लोग, आप कह सकते हैं, आग पकड़ लेते हैं।

लेकिन अगर वे सचमुच आग पकड़ रहे हैं, तो यह व्यक्तिगत भी है और व्यक्तिगत भी। आप किसी और के लिए आग नहीं पकड़ सकते। चर्च ऐसे लोगों से भरे हुए हैं जो उन आंदोलनों का हिस्सा हैं जहां किसी ने आग पकड़ ली थी, और वे इस भावना में आ गए, लेकिन वास्तव में उन्हें कुछ नहीं हुआ।

देहाती कार्य में, मैंने ऐसे कई लोगों का सामना किया है जो पुनरुद्धार का हिस्सा थे, लेकिन वे आगे बढ़े, उदाहरण के लिए, क्योंकि उनके सभी दोस्त आगे बढ़े। और वे छूटना नहीं चाहते थे। और वे चले जाते हैं, मुझे आश्चर्य है कि यह किस बारे में है।

और उन्हें बेचैनी महसूस हुई, लेकिन यह एक सहकर्मी बात थी। और ऐसे पिता भी हैं जो चर्च जाते हैं क्योंकि यह एक सहकर्मी की बात है। पत्नियाँ दबाव डालती हैं, प्रिये, चर्च जाओगे? और वे चले जाते हैं, लेकिन इससे वास्तव में उनका जीवन नहीं बदलता है।

इससे बस उनका व्यवहार बदल जाता है। और वे जाते हैं, शायद वे बपतिस्मा ले लें। मेरा मतलब है, वह सब वास्तव में अच्छा लग रहा है।

लेकिन टाइम्स को यहां उनके बोलने और उनके मंत्रालय में जनसांख्यिकीय समूहों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा जा रहा है। और इस मामले में, बड़ी उम्र की महिलाओं के माध्यम से, युवा महिलाओं को ईश्वरीय दिशा में प्रभावित किया जा सकता है। ध्यान दें कि यह वृद्ध महिलाओं को कैसे सिखाया जाता है ताकि वे युवा महिलाओं से आग्रह कर सकें।

यही कारण है कि उन महिलाओं का होना बहुत महत्वपूर्ण है जो धार्मिक रूप से प्रशिक्षित हैं और ऐसी महिलाएं जो शिष्य हैं, जैसा कि हमने 1 तीमुथियुस 2 में देखा था। और जो महिलाएं न केवल महिलाओं की चीजों के बारे में चिंतित हैं, बल्कि वे ईश्वर की चीजों के बारे में भी चिंतित हैं क्योंकि ऐसा है युवा महिलाओं की संख्या और युवा महिलाओं की जनसांख्यिकीय के लिए पुरुष पादरी सीधे तौर पर बहुत कम कर सकते हैं। मेरा मतलब है, कुछ चीजें हैं जो आप समूह-वार कर सकते हैं, लेकिन हम सभी को व्यक्तिगत रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है। पादरियों के पास समय नहीं है, और उनके लिए बहुत सी युवा महिलाओं पर व्यक्तिगत रूप से बहुत अधिक ध्यान देना उचित नहीं है।

लेकिन समग्र रूप से वृद्ध महिलाओं के पास अक्सर बहुत अधिक इनपुट होता है। यदि आप एक मध्यम आकार के चर्च में एक दर्जन वृद्ध महिलाओं को लेते हैं जो लंबे समय से वहां हैं और वे चर्च में अन्य लोगों को जानते हैं, तो वे बहुत सी युवा महिलाओं को जानते हैं। वे व्यावहारिक सहायता, प्रार्थना समर्थन, और सभी प्रकार के तरीकों से उदाहरण और प्रोत्साहन के लिए धार्मिक निर्देश के लिए एक विशाल शक्ति हो सकते हैं।

वे युवा महिलाओं के साथ आ सकते हैं और उन्हें भक्ति की दिशा में मदद कर सकते हैं। इसी तरह, आयत 6, युवाओं को हर चीज़ में आत्म-नियंत्रित रहने के लिए प्रोत्साहित करती है। आपके शिक्षण में जो अच्छा है उसे करके उनके लिए एक उदाहरण स्थापित करें।

सत्यनिष्ठा, गंभीरता और वाणी की सुदृढ़ता दिखाएँ जिसकी निंदा न की जा सके, ताकि जो लोग हमारा विरोध करते हैं, या मुझे माफ़ करें, आपका विरोध करते हैं, वे शर्मिंदा हो जाएँ क्योंकि उनके पास हमारे बारे में कहने के लिए कुछ भी बुरा नहीं है। तो, हमने वृद्ध पुरुषों को शामिल किया है, हमने वृद्ध महिलाओं को कवर किया है, हमने युवा महिलाओं को कवर किया है, हमने युवा पुरुषों को कवर किया है, और फिर वह दासों की ओर बढ़ता है। दासों को हर बात में अपने स्वामियों के अधीन रहना सिखाएं, उन्हें खुश करने की कोशिश करें, उनसे पलटकर बात न करें, उनसे चोरी न करें, बल्कि यह दिखाएं कि उन पर पूरा भरोसा किया जा सकता है ताकि वे हर तरह से इस शिक्षा का पालन करें। भगवान हमारे उद्धारकर्ता आकर्षक।

मैं यहां दासों के बारे में अधिक नहीं कहूंगा क्योंकि मैंने 1 तीमुथियुस 5 और 6 में दासों के संबंध में बात की थी। अब, उन्होंने श्लोक 1 से 10 में जो कुछ भी कहा है उसका एक आधार है, और यह आधार श्लोक 11 और निम्नलिखित में आता है। क्योंकि परमेश्वर का अनुग्रह प्रकट हुआ है। मसीह आये हैं।

ईश्वर की कृपा प्रकट हुई है जो सभी लोगों को मुक्ति प्रदान करती है। अब, जिस तरह से मैं इस कविता को समझता हूँ क्योंकि ग्रीक में मोक्ष शब्द एक विशेषण है, यह नपुंसकलिंग है, क्षमा करें, यह एक स्त्री विशेषण है। यह नपुंसकलिंग विशेषण नहीं है।

उस विशेषण का अर्थ कभी-कभी मोक्ष भी होता है, परन्तु सामान्यतः उसके आगे उपपद होता है, यहाँ उपपद नहीं होता। और साथ ही, चूँकि यह स्त्रैण है, इसलिए यह संशोधित करने के लिए कुछ स्त्रियोचित चीज़ की तलाश में है। और इसलिए, मुझे लगता है कि यह अनुग्रह को संशोधित करता है।

कभी-कभी पॉल एक असामान्य शब्द का उपयोग करता है या वह जो कह रहा है उस पर व्यथित होता है, और मुझे लगता है कि वह कहता है, क्योंकि ईश्वर की कृपा प्रकट हुई है, अर्थात्, ईश्वर की बचाने वाली कृपा, और यह सभी लोगों पर प्रकट हुई है। परमेश्वर का बचाने वाला अनुग्रह सभी लोगों पर प्रकट हुआ है। और मैं ऐसा सिर्फ इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि कुछ अनुवादों से ऐसा लगता है कि हर कोई बचा लिया गया है।

लेकिन निश्चित रूप से, पॉल इस पर विश्वास नहीं करता था, और मुझे नहीं लगता कि कविता का व्याकरण हमें इसका उस तरह से अनुवाद करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। इसलिये, उद्धार के लिये परमेश्वर का अनुग्रह सभी लोगों पर प्रकट हुआ है। यह हमें अधर्म और सांसारिक वासनाओं को न कहना सिखाता है।

पेडियो शब्द है, जो हमें अनुशासित करता है, जैसे एक बच्चे को अनुशासित किया जाता है, एक बच्चे का पालन-पोषण किया जाता है। भगवान की कृपा हमारा पालन-पोषण करती है, और फिर अनुवाद एक तरह से ज्वलंत है, ना कहने के लिए, उह, हमें इनकार करना, अधर्म और सांसारिक जुनून से इनकार करना और इस वर्तमान युग में आत्म-नियंत्रित, ईमानदार और ईश्वरीय जीवन जीना सिखाता है, प्रतीक्षा करना धन्य आशा, हमारे महान ईश्वर और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह की महिमा का प्रकट होना, जिसने हमें सभी दुष्टता से छुड़ाने के लिए, और अपने लिए ऐसे लोगों को

शुद्ध करने के लिए खुद को दे दिया जो उसके अपने हैं, जो अच्छे काम करने के लिए उत्सुक हैं। अनुवाद कहता है, जो अच्छा है उसे करने के लिए उत्सुक।

तो, एक से दस तक श्लोक अद्भुत हैं, वे व्यावहारिक हैं, वे जनसांख्यिकी रूप से निर्देशित हैं, वे रणनीतिक रूप से बुद्धिमान हैं, हमें आयु समूहों, लिंग और लोगों के समूहों के साथ शैक्षणिक रूप से प्रभावी होने की आवश्यकता है। इस मामले में, वह दासों को अलग करता है, लेकिन श्लोक 11, चार में वह शब्द हमें उपरोक्त सभी कार्यों की याद दिलाता है, और उपरोक्त सभी कार्य ईश्वर की कृपा के कारण उच्च प्राथमिकता के हैं। यदि आप नींव को हटा दें, तो आपके पास केवल टाइटस और वे लोग हैं जिन्हें वह प्रशिक्षित करता है, और वे कुछ व्यवहार संशोधन करने का प्रयास कर रहे हैं।

वे लोगों के व्यवहार को अनुकूलित करने और लोगों को एक अलग तरीके से जीने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन पॉल जिस बारे में बात कर रहा है वह उस परिवर्तन के बारे में है जो अनुग्रह लाता है क्योंकि अनुग्रह हमें निर्देश देता है। जॉन न्यूटन के अमेज़िंग ग्रेस गीत में एक कविता है, "वह अनुग्रह जिसने मेरे दिल को डरना सिखाया, और अनुग्रह ने मेरे डर को दूर किया।" वह अनुग्रह कितना मूल्यवान था जब मैंने पहली बार उस पर विश्वास किया था, क्योंकि वह एक दास व्यापारी था, जॉन न्यूटन था।

वह दुष्टों में सबसे दुष्ट था, और अनुग्रह ने उसे कुछ ऐसा सिखाया जिसने उसके जीवन को पूरी तरह से बदल दिया और परिणामस्वरूप लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया क्योंकि वह ब्रिटिश साम्राज्य में गुलामी के खिलाफ आंदोलन का हिस्सा था, जो बहुत दुष्ट था और उसकी ऐसी हालत थी। संयुक्त राज्य अमेरिका पर भयानक प्रभाव, जब गुलामों को यहां लाया जाने लगा, तो हम संयुक्त राज्य अमेरिका नहीं थे, हम उपनिवेश थे। और औपनिवेशिक शक्तियाँ लोगों को गुलाम बनाकर हर जगह भेज रही थीं। यह एक भयानक बात थी।

लेकिन अनुग्रह वह है जो वृद्ध पुरुषों और वृद्ध महिलाओं और युवा पुरुषों और युवा महिलाओं के लिए मसीह के शरीर में किसी भी अच्छी चीज़ को घटित करना संभव बनाता है। यह मसीह की सेवकाई और पॉल द्वारा उपयोग किए जाने वाले शब्द के माध्यम से है जिसमें ईश्वर की दया और ईश्वर द्वारा अपने लोगों को उपहार देने और ईश्वर द्वारा अपने लोगों को क्षमा करने और ईश्वर द्वारा अपने लोगों को सुसज्जित करने और ईश्वर द्वारा अपने लोगों को प्रोत्साहित करने की पूरी श्रृंखला शामिल है, जो भी आप चाहते हैं कहने का मतलब यह अनुग्रह है। और यह कार्यों से नहीं है, जो टाइटस में बहुत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन यह कार्यों से नहीं है कि हमें भगवान की कृपा मिलती है।

ईश्वर की कृपा आती है और वह हमें निर्देश देती है। यह एक अच्छे माता-पिता की तरह है जो एक बच्चे को आकार देता है और निर्देश देता है, प्रार्थना के द्वारा, आदेश के द्वारा, कभी-कभी दंड के द्वारा, निरुत्साहन के द्वारा, सबसे बढ़कर उदाहरण के द्वारा। बच्चे हम जो करते हैं उसे देखकर और हम कैसे करते हैं उसका अनुकरण करके कहीं अधिक सीखते हैं।



यही उनके सीखने का मुख्य तरीका है। यह सब अनुग्रह के संदर्भ में है। और उसने दिया, मसीह ने हमें छुड़ाने के लिए अपने आप को दे दिया ताकि हम अच्छे काम करने के लिए उत्सुक लोग बन सकें।

तो, संक्षेप में कहें तो, ये वो चीजें हैं जो आपको कहनी चाहिए, आपको बोलनी चाहिए। पूरे अधिकार के साथ प्रोत्साहित करें और डाँटें। किसी को अपना तिरस्कार न करने दें।

किसी को भी अपने आप को नीची दृष्टि से देखने न दें या भयभीत न हों क्योंकि लोग आपकी ओर तिरछी नज़र से देखते हैं क्योंकि आप ऐसी स्थिति में कुछ व्यवस्था लाने की कोशिश कर रहे हैं जहाँ घर-परिवार परेशान हो रहे हैं। अध्याय एक याद रखें, ये लोग पूरे घर को परेशान कर रहे हैं। वे ऐसी बातें बोल रहे हैं जो उन्हें नहीं कहनी चाहिए।

वे लोगों को ऐसे तरीकों से परामर्श दे रहे हैं जो उन्हें सुसमाचार और पवित्रता, शक्ति और लोगों के दिलों में और भगवान की मंडली में भगवान की उपस्थिति की अच्छाई से दूर ले जा रहे हैं। तो, ये बहुत बड़ी बुराइयाँ हैं और टाइटस के लिए रुकना और कहना आसान नहीं होगा, हमारे पास यहाँ एक अलग भावना है। हमें फिर से पुष्टि करनी होगी कि यह सब कैसे शुरू हुआ।

यह सब मसीह के सुसमाचार में परमेश्वर की कृपा से शुरू हुआ। और अब हमें ऐसे लोग मिल गए हैं जो अस्वस्थ दिशाओं में भटक रहे हैं। लोगों को यह पसंद नहीं आएगा।

लोगों को बदलाव पसंद नहीं है। और यदि वे स्थापित हो जाते हैं या शायद वे, तो कुछ लोग चर्च में बन जाते हैं और वे वास्तव में कभी चर्च में नहीं जाते हैं। और जब कोई उन पर किसी तरह का हल्ला मचाता है या उनका सामना करता है, तो उन्हें बहुत गुस्सा आता है।

मुझे याद है कि कई साल पहले मेरा एक दोस्त था और वह चर्च की परंपरा में पला-बढ़ा था और कई साल पहले ही उन्होंने तय कर लिया था कि अगर आप प्रेमपूर्ण हैं तो सभी यौन अभिव्यक्तियाँ अच्छी हैं। तो उस समय इसे स्थिति नैतिकता कहा जाता था। इसलिए, यदि आप वास्तव में किसी से प्यार करते हैं, तो उसके साथ यौन संबंध बनाना ठीक है यदि आप सच्चे हैं।

और मैं और मेरा दोस्त उस समय इस बारे में चर्चा कर रहे थे। और मैंने कहा, मुझे नहीं लगता कि बाइबल ऐसा कहती है। और वह बहुत, बहुत क्रोधित हो गया।

उनके क्रोधित होने का एक कारण यह था कि वह एक ऐसे चर्च में ईसाई के रूप में पले-बढ़े थे, जहाँ सिखाया जाता था कि बाइबल हमारे लिंग और कामुकता के बारे में जो कहती है, वह नहीं है, वह सिर्फ सांस्कृतिक है। और अब हमें एक अलग संस्कृति मिल गई है। तो, मैं कह सकता हूँ, मेरे दोस्त ने मुझे तुच्छ जाना।

उसने एक तरह से मुझे अपने अपार्टमेंट से बाहर निकाल दिया। उसे यह पसंद नहीं आया। और मुझे सचमुच बहुत बुरा लगा।

और मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि आखिरकार, और यह मेरी तरफ से एक बड़ा चमत्कार था क्योंकि, मैं अपने दोस्त को जानता था और मैंने सोचा, ठीक है, वह इन लोगों में से एक है जो कभी भी ईसाई नहीं बनेगा क्योंकि उसे ऐसा ही मिला है दूसरी दिशा में गहरा विश्वास। और वह बिल्कुल अलग जिंदगी जी रहा है। और मुझे आश्चर्य हुआ कि कुछ महीनों बाद, उसे मसीह पर विश्वास हो गया।

और वह एक मगरमच्छ बन गया और मंत्रालय में बहुत व्यस्त था। और आज तक, वह एक बहुत ही दृढ़, सामान्य चर्च नेता है। वह भौतिक चिकित्सा में चले गए।

वह मंत्री नहीं बने. लेकिन वह अपने पूरे जीवन में एक बहुत प्रभावी गवाह रहे हैं। लेकिन वह उस व्यक्ति का तिरस्कार करने से आगे बढ़ गया जिसने अभी कहा, ठीक है, मुझे लगता है कि बाइबल यह कहती है।

यहाँ से चले जाओ। कभी-कभी लोगों को बहुत गुस्सा आने में देर नहीं लगती अगर आप उनका सामना ईश्वर की सच्चाई से करें। लेकिन टाइटस को यही करना है।

और जिन नेताओं को वह नियुक्त करता है उन्हें यही करने के लिए तैयार रहना होगा। वे उन लोगों को शिक्षा देने और उनका खंडन करने में सक्षम होंगे जिनकी शिक्षा सही नहीं है। और यह मज़ेदार नहीं है।

यदि आपको संघर्ष पसंद नहीं है, तो भगवान आपको मंत्रालय में बुलाते हैं, तो आपको बस अतिरिक्त अनुग्रह की आवश्यकता है। मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि मंत्रालय में मत जाओ क्योंकि भगवान मंत्रालय में सभी प्रकार के लोगों को बुलाते हैं। और कभी-कभी हमें संघर्ष पसंद नहीं आता।

और कभी-कभी हम देखते हैं और कहते हैं, ठीक है, मैं वास्तव में ऐसा नहीं कर सकता। और आप बिल्कुल सही हैं. लेकिन भगवान आपको उन चीजों को करने में सक्षम बना सकते हैं जो आपको लगता है कि आप नहीं कर सकते हैं और जिन्हें आप निश्चित रूप से नहीं करना चाहते हैं।

परमेश्वर का प्रभुत्व इसी प्रकार कार्य करता है। और यह एक गौरवशाली बात है. ईश्वर की कृपा अच्छी बात है, कम से कम पीछे मुड़कर देखें तो।

कभी-कभी हमें ऐसा नहीं लगता कि आगे देखना इतना अच्छा है। आइए घर की इस व्यस्तता को देखते हुए इस कविता को समाप्त करें। बड़ी उम्र की महिलाओं को युवा महिलाओं को घर में व्यस्त रहना सिखाना चाहिए।

वह एनआईवी और टाइटस 2:5 की नई अंग्रेजी बाइबिल है। ईएसवी का कहना है कि घर पर काम करना। सीएसबी का कहना है कि कर्मचारी घर पर हैं।

आरएसवी, घरेलू। सीईवी, एक अच्छी गृहिणी है। हालाँकि, एनआरएसवी शब्द की बारीकियों को सबसे अच्छे से पकड़ता है।

ग्रीक शब्द ओइकुर्गोस है। और वे इसका अनुवाद करते हैं, घर के अच्छे प्रबंधक। इस अर्थ के लिए समर्थन अलेक्जेंड्रिया के क्लेमेंट द्वारा सजातीय क्रिया के उपयोग से मिलता है।

ओइकुर्गोस एक संज्ञा है। और सजातीय क्रिया oikourgeo है। रोम के क्लेमेंट ने इस शब्द का प्रयोग तब किया जब उन्होंने कोरिंथियंस को लिखा।

और उन्होंने कहा कि आपने युवाओं को संयमित और उचित विचार सोचने का निर्देश दिया। आपने स्त्रियों को आदेश दिया कि वे अपने सभी कर्तव्यों को निष्कलंक श्रद्धा और शुद्ध अंतःकरण के साथ निभाएँ, अपने-अपने पतियों का उचित रूप से पालन-पोषण करें। और तू ने उन्हें आज्ञाकारिता के नियम का पालन करना और अपने घर के मामलों को सम्मान और पूरे विवेक के साथ प्रबंधित करना सिखाया।

और हम पहले ही अन्यत्र घरों के प्रबंधन के बारे में देख चुके हैं और यह पत्नियों की जिम्मेदारियों में से एक है। अब, यह तो माना ही जा सकता है कि लगन से काम किए बिना कोई काम नहीं चला सकता। इसलिए, मैं घर पर व्यस्त रहने या घर पर काम करने के विचार के खिलाफ नहीं हूँ।

लेकिन मैं जो कहना चाहता हूँ वह यह है कि पॉल महिलाओं को घर पर श्रम करने तक ही सीमित नहीं रख रहा है। न्यू टेस्टामेंट के पॉल को पता है कि महिलाएं सार्वजनिक रूप से एक सामान्य बात के रूप में घूमती हैं। ग्रीको-रोमन दुनिया में, यह तालिबान समाज नहीं था।

महिलाओं को छुपकर नहीं रहना पड़ता था। हमें प्रेरितों के काम 16 में लिडिया मिली है, जो एक व्यवसायी है। हमें फिलिप्पियों 4 में यूओदिया और सिन्तुखे मिली है। वे पॉल के साथी कार्यकर्ता थे।

वे सिर्फ किसी तहखाने से, बाहर नहीं, सार्वजनिक रूप से जूम सत्र नहीं कर रहे थे। नए नियम में ऐसा कुछ भी नहीं सुझाया गया है कि पॉल या यीशु का महिलाओं की सार्वजनिक उपस्थिति या उनके आंदोलनों को प्रतिबंधित करने या उन्हें घर पर काम करने के लिए मजबूर करने का कोई इरादा था। एक ईसाई महिला यही करती है, उसे बस घर पर काम करना होता है।

अब, यह कहने में सच्चाई है कि टाइटस को पॉल का निर्देश सेमेटिक और हेलेनिक विचार को दर्शाता है कि महिलाएं घर पर रहती हैं और घरेलू कर्तव्यों का पालन करती हैं। यूनानी शब्दकोष इस शब्द के बारे में यही कहता है। और यह सच है।

लेकिन इस परिभाषा को यह अर्थ देना कि महिलाओं को कहीं और नहीं जाना चाहिए और उन्हें कुछ और नहीं करना चाहिए, यह व्याख्यात्मक रूप से अनुचित है। पॉल की एक परंपरा में नीतिवचन नामक एक पुस्तक है। नीतिवचन 31 में, आपको यह नेक पत्नी मिली है, और वह सामाजिक रूप से सक्रिय है और वह व्यावसायिक रूप से सक्रिय है क्योंकि वह अपने घर के मामलों पर नज़र रखती है।

यह एक बाइबिल आदर्श है। पॉल, जैसा कि एनआरएसवी मानता है, महिलाओं को घरेलू मामलों के क्रम में मेहनती और पूरा ध्यान देने के लिए कह रहा है, जो कि मंत्रालय के लिए भी एक बड़ी ज़िम्मेदारी है क्योंकि वे घरेलू चर्च थे, जैसा कि मैंने कई बार कहा है। हो सकता है कि चर्च उसके घर में मिला हो।

शायद ऐसा नहीं हुआ, लेकिन एक ईसाई परिवार का होना अभी भी महत्वपूर्ण था ताकि जब आप ईसाई परिवारों की सभा में जाएं, तो आप पाखंडियों का समूह न बनें। आप अपने घर में प्रभु के लिए और उसके साथ रह रहे थे, और आपकी माँ उसका हिस्सा थी। और इसलिए, जब माताएं और पतियों के बच्चे एक साथ मिले, तो यह एक सतत प्रकार का निर्बाध संक्रमण था।

सच तो यह है कि कई महिलाओं को यह उनकी जन्मजात प्रवृत्तियों और शक्तियों में से एक लगती है। वे जहां रहते हैं उसे प्रबंधित करना पसंद करते हैं। वे इसे एक निश्चित तरीके से करना पसंद करते हैं।

वे इसकी देखरेख करना पसंद करते हैं, और बुद्धिमान पति इसमें सहयोग करेगा और पत्नी या महिला को उसकी ताकत और यहां बुलाने में मदद करने में मदद करेगा। कई पुरुषों और विशेष रूप से एकल पुरुषों के रहने के स्थान से पता चलता है कि कई बार उनके पास एक जैसे गुण नहीं होते हैं। वे अपने रहने के क्षेत्र को व्यवस्थित करने में सक्षम नहीं लगते।

और पुराने और नए टेस्टामेंट दोनों ने अपने घर पर ध्यान न देने, बल्कि उदासीन बने रहने की विपरीत प्रवृत्ति की आलोचना की, जैसा कि एक टिप्पणीकार इसे कहते हैं। जब पॉल कहता है कि वे पूरे घर को बर्बाद कर रहे हैं, तो इसमें महिलाओं को दैनिक जीवन की आवश्यक और महान प्राथमिकताओं से ध्यान भटकाना भी शामिल हो सकता है। टाइटस की वृद्ध महिलाओं को इस तोड़फोड़ का प्रतिकार करने के लिए अग्रिम पंक्ति में रहना था।

बड़ी उम्र की महिलाओं को युवा महिलाओं को अपने घरों का प्रबंधन करने, ईसाई उपस्थिति बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, और अपने घरेलू जीवन में भगवान की महिमा के लिए अन्य तरीकों से अपने उपहार देने के लिए उचित होगा। खैर, इसके साथ, हमने अध्याय 2 के बारे में बहुत कुछ कहा है, और कुछ ही मिनटों में या जब भी आप इन व्याख्यानों पर दोबारा आएं, हम टाइटस अध्याय 3 को देखेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट यारब्रॉ और देहाती पत्रों पर उनकी शिक्षा, देहाती नेताओं और उनके अनुयायियों के लिए प्रेरितिक निर्देश है। यह सत्र 13, टाइटस 2 है।